विद्याभवन,बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय.

रूपम कुमारी , वर्ग-सप्तम् , विषय-हिन्दी

दिनांक- ३०/६/२०.

अध्ययन-सामग्री .

सुप्रभात बच्चों , कल की कहानी को हम आगे पढ़ाते हैं .

. बहूरानी ! मैं अभी भी कहती हूं तुम शशि को मुँह ना लगाओ ।“

उमा चौंककर बोली, “ मैंने क्या किया जीजी ?

तुम उस शशि के कमरे में क्यों गई थी ?”

निरुपमा ने शासन के स्वर में पूछा ।

उमा काँप गई । उसने इतना ही कहा, जीजी! तुम इस बालक से इतने नाराज क्यों हो ? निरुपमा उसी तरह बोली, “ नाराज क्यों हूँ, यह जानना चाहती हो ? अरे बहु ! इस राक्षस ने पैदा होते ही मां-बाप को खा डाला । तनिक बड़ा होते ही अपने ताऊ को भी निगल गया और तुम पूछती हो इसका अपराध क्या है ? “

और उसने झपट कर बालों को कमरे से बाहर निकाल कर खड़ा कर दिया । बोली “ मैं जानती हूं, मैं इसका गला नहीं घोंट सकती , परंतु बहूरानी! अपने भर घर को फिर से सूना करने की हिम्मत भी मुझमें नहीं है । “

उमा हतभागिन -सी निरुपमा को देखते ही रह गई । वह ना बोल सकी, ना जा सकी ।

और दिन पर दिन बीतते गए ।नई बहू अब पुरानी हुई, परंतु शशि के प्रति निरुपमा की कठोरता समय के साथ- साथ बढ़ती गई ।

एक दिन साहस करके उमा ने अपने पति से कहा , “आप जीजी को समझाते क्यों नहीं ? “ अमूल्य बाबू अचरज से बोले “ किसलिए उमा “? “ कि वे शशि के प्रति कठोर ना हो ।“ तुम नहीं जानती हो उमा , भाभी उसे बहुत प्यार करती हैं ,परंतु प्रकट नहीं करना चाहती , इसलिए इतनी कठोर हैं । “

उमा अचरज से बोली “ प्रेम में कठोरता होती है क्या ?”.

“हाँ होती है । जब संघर्ष होता है तब प्रेम ताड़ना में बदल जाता है ।“

शेष कल ...

पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें एवं पठित के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें -:.

- *हतभागिन शब्द का अर्थ बताएं ।*
- *नई बहू का नाम बताएं ।*
- *निरुपमा कौन थी ?*
- *उमा ने अमूल्य बाबू से क्या कहा अमली बाबू ने प्रत्युत्तर में क्या कहा ?*

क अंदर कई दिनों के बाद
आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

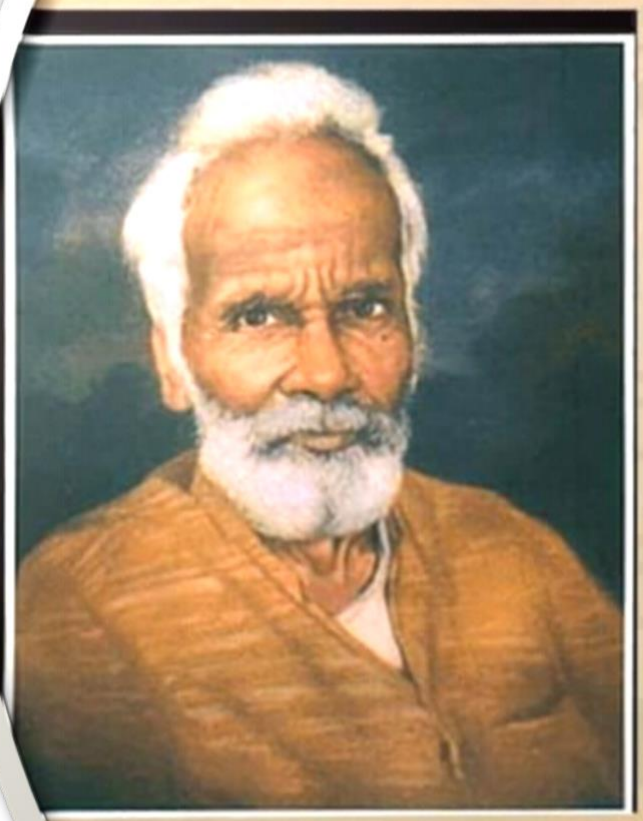

जनकवि
नागार्जुन
को उनके जन्मदिन
पर सलाम!

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के